भारतीय शिक्षण मंडल की प्रान्त स्तरीय शोधार्थी सम्मेलन आयोजित

सम्मेलन में शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

आयोजन

- **शिक्षा के भारतीय मॉडल को अपनाने और इसे आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने की बात पर दिया जोर**

देहरादून,लोकसत्य।

कम्बाइंड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च कुंआवाला में भारतीय शिक्षण मंडल, युवा आयाम उत्तराखण्ड प्रान्त की ओर से प्रान्त स्तरीय शोधार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। अखिल भारतीय अधिकारी शिक्षण मंडल के संयुक्त महामंत्री पंकज नाफडे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अधिकारी भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त महामंत्री पंकज नाफडे ने शिक्षा के भारतीय मॉडल को अपनाने और इसे आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने की बात करते हुए भारतीय शिक्षा के मूल्यों और संस्कृति को उजागर करने पर जोर दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता उत्तराखण्ड प्रान्त के प्रान्तीय अध्यक्ष उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ. पी. एस. नेगी ने की । इस दौरान सह प्रांत मंत्री डॉ. तरूण, युवा आयाम प्रमुख संदीप गौतम, विस्तारक दया शंकर मिश्रा, सह युवा आयाम प्रमुख अनन्या, प्रकाशन प्रमुख अभिषेक शर्मा, सदस्य प्रो. के. एस. रावत भी उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षण मंडल का प्रान्त स्तरीय शोधार्थी सम्मेलन एक ऐसा आयोजन है, जिसमें विभिन्न शोधार्थियों को अपने शोध कार्यों को प्रस्तुत करने और उनके विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इसमें शिक्षा के विभिन्न पहलुओं, संस्कृति, विज्ञान, और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की जाती है। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं को एक मंच प्रदान करता है जहाँ वे भारतीय दृष्टिकोण से अपने अध्ययन और खोजों को साझा कर सकते हैं।कार्यक्रम में विभिन्न शोधार्थियों ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। इस दौरान भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम द्वारा आयोजित शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता विजन फॉर विकसित भारत के शोधार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

नशा मुक्त समाज ही करेगा विकसित भारत का निर्माण: ललित जोशी

सीआईएमएसएंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने अपने संस्थान में सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय शिक्षण मंडल का आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि विभिन्न शोधार्थियों द्वारा किए गए शोध विकसित भारत बनाने में नई दिशा प्रदान करेंगे। आज का यह कार्यक्रम युवाओं को एक नई दिशा देगा, युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों, दया-करूणा जैसे भावों को आत्मसात करना होगा और यह तभी संभव होगा जब हम व्यसन मुक्त रहेंगे।क्योंकि आज हर अपराध की जड़ नशा है, और हमारे युवाओं को इस अपराध की जड़ को खत्म करने का संकल्प लेना होगा।

MEDICAL SCIENCES